डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल
वर्ष 19 | अंक 168 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 04 अप्रेल 2025 | मूल्य 2 रुपया

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

मनासा, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। रामपुरा थाना क्षेत्र के चचोर गांव के युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। उसे घायल अवस्था में बीते मंगलवार शाम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हादसे के समय युवक बाइक पर था। बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी थी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

घायल युवक की पहचान भादवा निवासी कवर लाल गुर्जर उम्र 35 वर्ष के रूप में हुई। परिजन उसे तुरंत नीमच के कर्णावती स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। दो दिन तक चले उपचार के बाद गुरुवार को उसने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार कवर लाल 01 अप्रैल को किसी काम से चचोर गया था। रात में वापस लौटते समय यह हादसा हुआ। एंबुलेंस से उसे अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान गुरुवार को उसकी मौत हो गई। मृतक के शव का पोस्टमार्टम बड़े अस्पताल... **शेष पेज 4 पर**

दिनांक 29 मार्च 2025 को प्रकाशित समाचार

दिनांक 27 मार्च 2025 को प्रकाशित समाचार

दिनांक 26 मार्च 2025 को प्रकाशित समाचार

दैनिक गुरु एक्सप्रेस की मुहिम रंग लाई...

जबलपुर की तर्ज पर आयोजित होगा पुस्तक मेला

किताबों में कमीशन के खेल पर प्रशासन का वार, मंगाई गई स्कूलों से सूची, कल से लगेगा मेला

मंदसौर, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। स्कूलों में किताबों के नाम पर चल रही कमीशन की धांधली के खिलाफ दैनिक गुरु एक्सप्रेस ने लगातार मुहिम चलाई। यह मुहिम रंग लाई। मंदसौर में पहली बार जागरुक और तेज तर्रार कलेक्टर अदिती गर्ग ने इस मामले को गंभीरता से लिया। जबलपुर की तर्ज पर पुस्तक मेले का आयोजन किए जाने का निर्णय लिया। अब इस पुस्तक मेले में 20 प्रतिशत तक डिस्काउंट पर पुस्तकें मिल सकेंगी। पुस्तकों को लेकर सभी स्कूल संचालकों से प्रकाशकों के नाम भी ले लिए गए है। मतलब 05 अप्रैल से संजय गांधी उद्यान में शुरु होने वाले तीन दिवसीय मेले में सभी स्कूलों की पुस्तके डिस्काउंट पर मिलेगी।

जबलपुर में दस दिवसीय मेला, मंत्री ने किया था उद्घाटन...

जबलपुर में निजी स्कूलों की मनमानी पर अंकुश लगाने के लिए कलेक्टर के निर्देश पर पुस्तक मेला आयोजित किया जा रहा है। गोल बाजार स्थित शहीद स्मारक में 25 मार्च से 5 अप्रैल तक चले इस मेले का शुभारंभ प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने किया था। जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना की पहल पर लगातार दूसरे वर्ष लगाया गया यह मेला अभिभावकों के लिए वरदान साबित हो रहा है। मेले में 57 स्टॉल लगाए गए हैं। यहां सभी निजी स्कूलों की पाठ्य पुस्तकें, कॉपियां, यूनिफॉर्म, स्कूल बैग और अन्य शैक्षणिक सामग्री रियायती दरों पर उपलब्ध है। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने शिक्षा माफियाओं के खिलाफ जिला प्रशासन की कार्रवाई की सराहना की। अभिभावकों के अनुसार मेले में उन्हें 40 से 50 प्रतिशत तक की छूट मिल रही है। मेले में एक बुक बैंक भी बनाया गया है। इसमें जरूरतमंद बच्चों को 150 से 200 रुपए में पुरानी किताबों का सेट दिया जा रहा है। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है।

मंदसौर शहर में लंबे समय से स्कूल संचालकों और प्रकाशकों की जुगलबंदी अभिभावकों के जेब पर भारी पड़ रही है। इस कमीशन के खेल में अभिभावकों को किताबों के नाम पर तगड़ी आर्थिक चोट लग रही है। इस वर्ष दैनिक गुरु एक्सप्रेस ने इस मुद्दे को लगातार प्रमुखता से प्रकाशित किया। जिसमें कागजों की बर्बादी से लेकर जबलपुर में किए गए नवाचार का भी उल्लख किया गया। इसके बाद शहर में पहली बार किसी कलेक्टर ने इस मामले को गंभीरता से लिया। अब शहर के संजय गांधी उद्यान में पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। कल अर्थात 05अप्रैल शनिवार से यह पुस्तक मेला आयोजित होगा। इसमें विभिन्न प्रकाशकों की किताबें डिस्काउंट पर मिलेगी। जबलपुर में आयोजित मेले में यह डिस्काउंट 20 प्रश से 50 प्रश तक रहा। उम्मीद जताई जा रही है कि यहां कम से कम 20 प्रश डिस्कांउट में पुस्तकें अभिभावकों को मिलेगी। बता दे कि निजी स्कूलों के महंगे प्रकाशकों की किताबें चार हजार से 07 हजार तक आ रही है। ऐसे में अगर 20 प्रश डिस्कांउट भी अभिभावकों को मिलता है तो इससे खासा फायदा अभिभावकों को होगा।

तरीके से आयोजित किया मेला...

अभी तक कई बार शासन से पुस्तकों के कमीशन के खेल पर अंकुश लगाने के निर्देश मिले। लेकिन, किसी भी अधिकारी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। किन्तु, इस बार कलेक्टर अदिती गर्ग के निर्देशानुसार योजनाबद्ध तरीके से इस मेले का आयोजन किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार शहर के सभी प्रमुख निजी स्कूलों से सिलेबस और प्रकाशक की लिस्ट मंगवाई गई है। इसी के अनुसार पुस्तक विक्रेता और प्रकाशक यहां मौजूद रहेगे।

इसलिए होगा अभिभावकों को फायदा...

वर्तमान में प्रकाशकों और स्कूल संचालकों की जुगलबंदी किताबों को महंगा कर रही है। इसका कारण है कि 20 प्रश स्कूल संचालकों का और 20 प्रश पुस्तक विक्रेता का कमीशन होता है। मतलब 100 रुपए की किताब अभिभावकों तक 140 रुपए तक पड़ती है। लेकिन, पुस्तक मेले में पुस्तक विक्रेता और स्कूल संचालकों का कमीशन खत्म हो जाएगा। ऐसे में किताबों का सस्ता मिलना लाजमी है।

एक स्कूल की व्यवस्था भी प्रशंसनीय...

निजी स्कूलों की महंगी किताबें अभिभावकों की जेब पर आर्थिक बोझ डाल रही है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि निजी स्कूल हर साल प्रकाशकों को बदल देते हैं। यहीं कारण है कि पुरानी किताबों का उपयोग नहीं किया जा सकता। वहीं अगर प्रकाशक नहीं भी बदले जाए तो नया कोर्स खरीदने पर जोर दिया जाता है। हालांकि शहर के एकमात्र यश नगर स्थित स्कूल ने इस मामले में अभिभावकों को बहुत राहत दी है। यहां पुरानी किताबें भी उपयोग हो रही है। इससे सीधा सीधा नए कोर्स का खर्च अभिभावकों का बच रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस पुस्तकीय आदान-प्रदान का जिम्मा खुद स्कूल प्रबंधन संभालता है। इस स्कूल में विद्यार्थियों से पुरानी किताबें मंगवाकर उन्हें एक टोकन दिया जाता है। इसके बाद जब विद्यार्थी इस टोकन को बताता है तो उसे अगली कक्षा की किताबें प्रदान कर दी जाती है। इस व्यवस्था से यश नगर स्थित स्कूल में पढ़ने वाले कई बच्चों के अभिभावकों पर आर्थिक बोझ हल्का हो रहा है।

दिनांक 17 मार्च 2025 को प्रकाशित समाचार

दिनांक 13 मार्च 2025 को प्रकाशित समाचार

20 प्रश. डिस्काउंट भी अभिभावकों को देगा राहत (रुपए में)

कक्षा	सेट के दाम (रुपए में)	डिस्काउंट के बाद
केजी	3100 से 3800	620 से 760
एलकेजी	3200 से 4200	625 से 840
कक्षा 1	4800 से 6200	960 से 1240
कक्षा 2	5100 से 6300	1020 से 1260
कक्षा 3	5400 से 6900	1080 से 1380
कक्षा 4	5900 से 7400	1180 से 1480
कक्षा 6 से 9	6200 से 8900	1240 से 1780

(नोट: प्रत्येक स्कूल के सेट की कीमतों में फर्क होता है)

नीमच फर्जी एनकाउंटर मामला...

गिरफ्तार डीएसपी, प्रधान आरक्षक को भेजा जैल

मनासा, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। दिल्ली की सीबीआई टीम ने वर्ष 2009 के नीमच के रामपुरा थाना क्षेत्र के फर्जी एनकाउंटर मामले में इंदौर जिले में पदस्थ डीएसपी ग्लेडविन कार व प्रधान आरक्षक नीरज प्रधान को गिरफ्तार किया था। दोनो को जैल भेज दिया गया है। बता दें कि यह मामला नीमच के कुख्यात अपराधी और तस्कर बंशी गुर्जर से जुड़ा है। जिसे पुलिस ने एनकाउंटर में मारना बताया था, लेकिन बाद में वह जिंदा पाया गया था। मामला कोर्ट पहुंचने के बाद सीबीआई को जांच सौंपी गई थी। जांच में पाया गया कि उस समय थाने के प्रभारी ग्लेडविन की भूमिका संदिग्ध थी। साक्ष्य मिलने के बाद मंगलवार रात सीबीआई ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

यह था पूरा मामला..?

बंशी गुर्जर नीमच का जाना-माना तस्कर है, जिस पर कई मामले दर्ज हैं। वर्ष 2009 में पुलिस ने दावा किया था कि बंशीलाल उर्फ शिवा गुर्जर की कुकड़ेश्वर थाना क्षेत्र में पुलिस के साथ मुठभेड़ हुई थी, जिसमें उसकी मौत हो गई। हालांकि, स्थानीय लोगों का दावा था कि वह जिंदा है। वर्ष 2011 में पुलिस ने बंशी के साथी घनश्याम धाकड़ को गिरफ्तार किया तो उसने बताया कि वह बंशी के साथ ही रह रहा था। बाद में 20 नवंबर 2011 को उज्जैन में बंशी गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में पता चला कि उसने अपनी मौत का नाटक करने के लिए नकली दस्तावेज भी बनवाए थे। इस मामले में कोर्ट ने उसे 07 साल की सजा सुनाई थी। बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। अब सीबीआई की जांच में डीएसपी ग्लेडविन समेत कई पुलिसकर्मियों की भूमिका पर सवाल उठे हैं, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर जैल भेजा गया है।

लाख टके का सवाल.. कौन था मृतक..?

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर बंशी की जगह मुठभेड़ में पुलिस ने किसे टपकाया था। वह कौन था, जिसे बंशी बनाकर इनकाउंटर करना बताया गया था? स्थानीय पुलिस, सीडीआई और सीबीआई भी अभी तक इसका पता नहीं लगा पाई है। यह सवाल अभी भी समय के गर्भ में ही है। जिसे खुद बंशी गुर्जर या ग्लेडविन कार ही सुलझा सकते है।

गांधी चौराहा से बस स्टेण्ड मार्ग पर अतिक्रमण मामला...

व्यवसाईयों ने पीछे हटाई दुकानें

मंदसौर, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। गुरुवार को शहर के गांधी चौराहे से बस स्टेण्ड के बीच का अतिक्रमण हटाने अमला पहुंचा तो पहले ही इस मार्ग के व्यवसाईयो ने अपनी दुकानें पीछे कर ली। जिससे यातायात व्यवस्था में पड़ रहा खलल कुछ हद तक दूर हुआ।

दरअसल मामला गांधी चौराहा और युवराज क्लब रोड पर दुकानदारो ने अपनी दुकाने काफी आगे कर ली थी। उसके बाद सामान भी जमाने लगे थे। यहां मौजूद अस्थायी दुकानें यातायात को लंबे समय से प्रभावित कर रही थी। इसको लेकर नगर पालिका ने भी कई बार सख्त कदम उठाए। लेकिन, समस्या यह हो रही थी कि यहां व्यापारी 25-30 साल से व्यापार कर रहे हैं। अगर इन्हें हटा दिया जाए तो इनकी रोजी रोटी संकट में आ सकती है। नपा ने दुकानें हटाने की चेतावनी दी तो व्यापारियों ने भाजपा नेता गौरव अग्रवाल को अपनी पीड़ा बताई। गौरव से बातचीत के बाद दुकानदारों ने अतिक्रमण हटाते हुए खुद ही दुकानों को पीछे कर लिया। इसके बाद नपा का अमला गुरुवार सुबह मौके पर पहुंचा। यहां कुछ गुमटीनुमा दुकानें लंबे समय से ऐसे ही रखी हुई थी। जिन्हें जब्त किया गया। महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल के बाहर फूल माला सहित अन्य व्यवसाय करने वाले दुकानदारों से यातायात खासा प्रभावित होता है। इसको लेकर नपा ने संज्ञान लिया और एनाउंस कर उन्हें दुकानें हटाने की चेतावनी दी। इसके बाद दुकानदार भाजपा नेता गौरव अग्रवाल के पास पहुंचे। गौरव अग्रवाल ने उनसे बात की और दुकानों को पीछे कर लिया। जिससे सकरा हो रहा रास्ता चौड़ा हो गया। इससे आवागमन प्रभावित होने की समस्या खत्म हो गई। आज नपा का अमला अतिक्रमण हटाने पहुंचा। यहां गौरव अग्रवाल भी मौजूद थे। अमले में मौजूद लोगों से गौरव ने बात की। नपा का अमला भी दुकानें पीछे होने और यातायात सुचारु होने की स्थिति को देख संतुष्ट हुआ। इसके अलावा एक दो ठेले या गुमटी लंबे समय से बंद ही थे। उन्हें जब्त कर हटाया गया। श्री अग्रवाल ने बताया कि नपा की अतिक्रमण हटाओ मुहिम भी सही है। लेकिन, यहां से अगर दुकानो को हटाया जाए तो 20-25 साल से व्यापार कर रहे लोगों की रोजी रोटी छिन जाएगी। ऐसे में बातचीत कर दुकानों को पीछे करवा लिया गया। जिससे आवागमन में अब ज्यादा बाधा नहीं आएगी। नपा भी इससे संतुष्टहै।

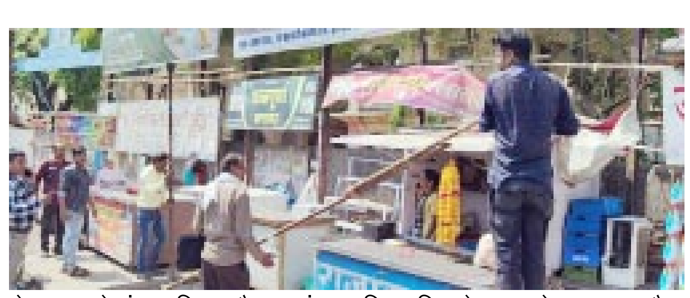

तीन माह पूर्व ई-बाइक में हुआ था ब्लास्ट...

शो रूम संचालक पर गैर इरादतन हत्या का प्रकरण, 11 साल की बच्ची की हुई थी मौत

रतलाम, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शहर में तीन माह पूर्व ई - बाइक में चार्जिंग के दौरान धमाके से घर में आग लगने के बाद 11 साल की बच्ची की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने ई-बाइक शोरूम संचालक इब्राहिम पिता आबिद हुसैन पेटलावद वाला निवासी चांदनी चौक रतलाम के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज किया है।

बता दें कि बीती 04 जनवरी की रात शहर के थाना औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत पीएंडटी कॉलोनी निवासी भागवत मोरे के घर के आगे के कमरे में रखी ई-बाइक (इलेक्ट्रिक स्कूटर) में ब्लास्ट हो गया था। इससे घर में आग लग गई थी। आग में भागवत मोरे झुलस गए थे। उनकी नातिन अंतरा पिता दीपक चौधरी निवासी वड़ोदरा (गुजरात) भी झुलस गई थी। मेडिकल कॉलेज ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। जबकि, भागवत मोरे को रतलाम के बाद इंदौर रेफर किया था। घटना के बाद पुलिस ने मित्र निवास रोड स्थित ई-बाइक शोरूम संचालक व कंपनी को नोटिस दिया था। थाना प्रभारी गौतम मुनेंद्र ने बताया की जांच के बाद शोरूम संचालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 106(1), 125(ए) के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

युवती को ब्लेकमेल के आरोपी का निकाला जुलूस

पिपलिया मंडी, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। युवती को ब्लैकमेल कर परेशान करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसका जुलूस निकाला। मतलब उसे पैदल-पैदल ले जाया गया। आरोपी मोहसिन नामक युवक एक युवती को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। परेशान होकर उसने पुलिस की शरण ली।

जानकारी के अनुसार कुछ समय पूर्व एक युवती मोहसिन नामक युवक के संपर्क में आई थी। आरोप है कि मोहसिन ने उसके निजी फोटो और वीडियो हासिल कर लिए थे। युवती की शादी के बाद यह युवक उसे बार-बार ब्लैकमेल करने लगा और धमकियां देने लगा कि अगर वह उसकी बात नहीं मानेगी तो वह उसके फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। इसके अलावा आरोपी ने युवती के परिवार पर भी दबाव बनाने की कोशिश की और उसके पति व भाई को जान से मारने की धमकी दी। लगातार हो रहे उत्पीडन से परेशान होकर युवती ने अपने परिवार को पूरी घटना की जानकारी दी, जिसके बाद परिवारजन तुरंत पिपलिया पुलिस थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पिपलिया मंडी पुलिस ने इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए तत्परता से कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी मोहसिन को गिरफ्तार कर लिया और उसे कानून के दायरे में सजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने आरोपी का सार्वजनिक जुलूस निकाला, जिससे समाज में गलत मानसिकता रखने वालों को सख्त संदेश दिया जा सके। यह कार्यवाही लोगों में पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास को और मजबूत करती है और अपराधियों को डराने का भी काम करती है। युवती के परिवार ने पुलिस प्रशासन की इस कार्रवाई की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस की तत्परता से उन्हें न्याय मिला और अब वे सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। स्थानीय लोगों और समाज के विभिन्न वर्गों नें मांग की है कि ऐसे मामलों में कड़ी से कड़ी सजा दी जाए ताकि कोई और इस तरह की हरकत करने की हिम्मत न करे।

विचार-मंथन

हादसों से नहीं ली जा रही सीख...

किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि आगे ऐसे इंतजाम किए जाएं ताकि वैसी घटना दोबारा न हो। मगर विडंबना है कि लगभग एक ही प्रकृति के हादसों का सिलसिला बना रहता है। सरकार की ओर से आगे सब ठीक करने के आश्वासन से ज्यादा कुछ भी ठोस सामने नहीं आता। पिछले कुछ वर्षों से देश भर में रेल हादसों की जैसी खबरें आ रही हैं, उससे यही लगता है कि रेल सुरक्षा को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है और कभी भी किसी दुर्घटना की खबर आ सकती है। सवाल है कि अगर देश के अलग-अलग हिस्सों में आए दिन रेलगाड़ियां हादसों का शिकार हो रही है, तो उसके लिए किसकी जवाबदेही बनती है और उसमें सुधार के लिए ठोस उपाय करने की जिम्मेदारी किसके कंधे पर है। गौरतलब है कि ओड़ीशा के कटक जिले के निर्गुंडी में रविवार को बंगलुरु-कामाख्या एसी एक्सप्रेस के ग्यारह डिब्बे पटरी से उतर गए। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और अन्य कई लोग घायल हो गए। हो सकता है कि कटक में हुई दुर्घटना में जानमाल का ज्यादा नुकसान न होना राहत की बात मानी जाए, लेकिन ग्यारह डिब्बों का पटरी से उतरना एक गंभीर घटना ही है। सच यह है कि एक छोटी चूक या लापरवाही की वजह से बहुत सारे लोगों की जान पर बन आती है और इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें ट्रेन हादसे में बड़ी संख्या में लोगों की जान चली गई। ऐसे हर हादसे के बाद सरकार की ओर से जांच और कार्रवाई करने की बात कही जाती है, लेकिन सवाल है कि चलती ट्रेन के पटरियों से उतरने और उससे उपजे जोखिम से यात्रियों को कब मुक्ति मिलेगी। लोग कब इस आशंका से पूरी तरह मुक्त होकर किसी ट्रेन से सफर करेंगे कि वह हादसे का शिकार न हो और वे सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच जाएं?अक्सर ऐसी खबरें सुर्खियों में होती है, जिनमें बताया जाता है कि रेलवे विभाग जल्दी ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा मुहैया कराने वाला है। इस तरह के सरकारी दावों के बरक्स हकीकत यह है कि आए दिन किसी ट्रेन के पटरी से उतर जाने की खबर आती है, तो कभी किसी अन्य हादसे की। अगर दुर्घटना को लेकर लोगों के भीतर किसी तरह का केवल डर भी बैठता है, तो इसका कारण लगातार होने वाले रेल हादसे ही होते हैं। जितने दावे नई और तमाम सुविधाओं से लैस आधुनिक ट्रेनें चलाने के किए जाते हैं, उतना ही ध्यान अगर ट्रेनों के संचालन, बुनियादी ढांचे के विकास और उसके मजबूत करने पर दिए जाएं, तो शायद हादसों को कुछ लगाम दिया जा पाता। विचित्र है कि ट्रेनों की रफ्तार और उनके बोझ में तो लगातार इजाफा हो रहा है, मगर उसी मुताबिक पटरियों की गुणवत्ता और व्यवस्थागत पहलू को भी बेहतर करना जरूरी नहीं समझा जाता। सवाल है कि सिर्फ इस मामले में बरती जाने वाली उपेक्षा की वजह से अगर कोई रेलगाड़ी पटरी से उतर जाती है और हादसा हो जाता है, तो क्या सिर्फ जांच और कार्रवाई के आश्वासन के जरिए इस समस्या से पार पाया जा सकता है? आधुनिक शक्ल और महंगे किराए वाली ट्रेनें चलाने के बीच आए दिन छोटे-बड़े हादसे सामने आ रहे हैं और दूसरी ओर, भारतीय रेल महकमे में बड़ी तादाद में रिक्तियां पड़ी हुई हैं। सवाल है कि अगर सरकार ट्रेन हादसों पर लगाम लगाने का भरोसा देती भी है, तो लचर बुनियादी ढांचे और पदों के खाली रहने की स्थिति में उसका आधार क्या होगा?

क्षेत्रीय सहयोग पर भारत का रणनीतिक दांव...

अरुणिम भुयान

साल 1997 में अस्तित्व में आए बिम्सटेक में बंगाल की खाड़ी के तटीय और समीपवर्ती क्षेत्रों में स्थित 7 देश शामिल हैं. इन देशों में बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड शामिल हैं. इस समूह वाले देशों में 173 करोड़ की आबादी है. इस बड़े भूभाग का सरल घरेलू उत्पाद वर्ष 2023 में 5.2 ट्रिलियन डॉलर था. बैंकॉक में होने वाले शिखर सम्मेलन का विषय है 'समृद्ध, लचीला और खुला बिम्सटेक'. ढाका में बिम्सटेक सचिवालय ने कहा कि शिखर सम्मेलन, जिसका उद्देश्य साझा सुरक्षा और विकासात्मक चुनौतियों का समाधान करने के लिए सदस्य देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है, एक समृद्ध, लचीले और खुले बिम्सटेक के लक्ष्य को साकार करने के लिए चल रहे प्रयासों को एक नई गति प्रदान करेगा। बिम्सटेक सचिवालय ने अपने वक्तव्य में शिखर सम्मेलन के समृद्ध एजेंडे का उल्लेख किया है. 6वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन की घोषणा को अपनाना: यह घोषणा बिम्सटेक नेताओं के दृष्टिकोण के साथ-साथ उनके निर्णयों और निर्देशों को भी प्रतिबिंबित करेगा. बैंकॉक विजन 2030 को अपनाना: बिम्सटेक के यह पहला विजन दस्तावेज है जिसे नेताओं द्वारा अपनाया जाएगा. यह बिम्सटेक सदस्य देशों के बीच भविष्य के सहयोग के लिए एक व्यापक और व्यावहारिक रोडमैप मुहैया करेगा. समुद्री परिवहन सहयोग पर समझौते पर हस्ताक्षर:

बिम्सटेक सहयोग समझौते का उद्देश्य बंगाल की खाड़ी में समुद्री परिवहन का विस्तार करना है. ऐसा होने से माल के साथ-साथ लोगों की परिवहन को बढ़ावा जा सकेगा. इसके जरिए सदस्य देशों के बीच अधिक व्यापार और यात्रा को सक्षम बनाया जा सकेगा. बिम्सटेक और इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (आईओआरए), तथा बिम्सटेक और ड्रग्स एंड क्राइम पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षरः इस समझौते का उद्देश्य बिम्सटेक और इन संगठनों के बीच विकासात्मक साझेदारी के एक नए युग की शुरुआत करना है. बिम्सटेक तंत्र के लिए प्रक्रिया के नियमों को अपनानाः इसके तहत चार्टर के साथ मिलकर बिम्सटेक के तहत क्षेत्रीय सहयोग के लिए संस्थागत ढांचे की नींव रखना है. बिम्सटेक की भविष्य की दिशा पर प्रतिष्ठित व्यक्तियों के समूह की रिपोर्ट को अपनाना: गौर करने वाली बात ये है कि समूह ने बीते साल 2024 में 6 बैठकें कीं. इसने संबंधित हितधारकों से परामर्श किया. इसके साथ ही व्यापक विचार-विमर्श के बाद सितंबर 2024 में अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया. इस रिपोर्ट में कई सिफारिशें शामिल हैं और सदस्य राज्यों ने इन्हें लागू करने के उद्देश्य से कदम उठाने शुरू कर दिए हैं. इस तरह से देखा जाए तो जून 1997 में बिम्सटेक की स्थापना के बाद से बैंकॉक में 2004 में सम्मेलन हुआ. साल 2008 में नई दिल्ली में, वर्ष 2014 में नेपी दा में सम्मेलन हुए. इसी कड़ी में काठमांडू में साल 2018 में और कोलंबो में 2022 में शिखर सम्मेलन आयोजित किए गए. इस तरह से अब तक 5 शिखर सम्मेलन हो चुके हैं. छठा सम्मेलन थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में होने जा रहा है. जान लें कि कोलंबो शिखर सम्मेलन वर्चुअल मोड में आयोजित किया गया था. बिम्सटेक का ये 7 देशों वाला यह समूह 7 व्यापक क्षेत्रों में क्षेत्रीय सहयोग को आगे बढ़ाता है. इसके तहत कृषि और खाद्य सुरक्षा, संपर्क, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन, लोगों से लोगों का संपर्क शामिल है. इसके साथ ही विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार, सुरक्षा तथा व्यापार, निवेश और विकास के क्षेत्र में सहयोग शामिल है. इन सात व्यापक क्षेत्रों के साथ सहयोग में 8 उप-क्षेत्र भी शामिल हैं. इन उप क्षेत्रों में नीली अर्थव्यवस्था, पर्वतीय अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, आपदा प्रबंधन, मत्स्य पालन और पशुधन, गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य और मानव संसाधन विकास शामिल है. बिम्सटेक संगठन में भारत सुरक्षा क्षेत्र में आगे है. इसके साथ ही बिम्सटेक ऊर्जा केंद्र भी बेंगलुरु में स्थित है. बिम्सटेक में भारत का निवेश रणनीतिक है. इसके साथ ही आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिवार्यताओं से भी प्रेरित है.इस कारण से क्षेत्रीय स्थिरता और विकास के लिए नई दिल्ली के दृष्टिकोण के साथ संरेखित है. बीते सप्ताह विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि, बिम्सटेक में हमारा ध्यान संस्थान और क्षमता निर्माण, समुद्री और साइबर सुरक्षा सहित सुरक्षा को मजबूत करने, आपदा तैयारी सहित जलवायु सुरक्षा, खाद्य और मानव सुरक्षा और संपर्क बढ़ाने पर है. ये सब व्यापार, ऊर्जा, परिवहन, डिजिटल और लोगों के बीच संपर्क के क्षेत्र हैं. ये सभी हमारे (भारत) प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं. भारत की बिम्सटेक के साथ बढ़ती भागीदारी आंशिक रूप से दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) की निष्क्रियता की वजह से बढ़ी है. आज के दिन पाकिस्तान की ओर से कनेक्टिविटी और आतंकवाद-रोधी जैसे मुद्दों पर असहयोग के कारण सार्क एक समूह के रूप में लगभग अप्रभावी हो गया है. सितंबर 2016 में जम्मू और कश्मीर के उरी में एक सैन्य अड्डे पर पाकिस्तानी धरती से आतंकी हमले के बाद, उस वर्ष इस्लामाबाद में होने वाला सार्क शिखर सम्मेलन निरस्त कर दिया गया था. उसके बाद कोई सार्क शिखर सम्मेलन नहीं हुआ. इसके विपरीत, बिम्सटेक सार्क के राजनीतिक गतिरोधों से मुक्त होकर एक अधिक क्रियाशील विकल्प मुहैया करा रहा है. भारत बिम्सटेक को प्राथमिकता देकर सार्क में पाकिस्तान की रुकावटों के बिना क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत कर सकता है. इस तरह से देखें तो भारत की एक्ट ईस्ट नीति के साथ बिम्सटेक सहज रूप से जुड़ा हुआ है. इससे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ बेहतर संपर्क की सुविधा मिलती है. इसके साथ ही भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग और कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट परियोजना जैसी पहल भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को दक्षिण-पूर्व एशियाई बाजारों से जोड़ने में सहायक हैं. इससे इन क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है. बिम्सटेक क्षेत्र की बात करें तो इसमें 1.73 बिलियन लोग रहते हैं और इसका संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद लगभग 5.2 ट्रिलियन डॉलर है. यह वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

कभी अन्नदाता तो कभी आमलोगों को रुलाता टमाटर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

यह कैसी विडंबना है कि टमाटर की खेती करने वाले काश्तकारों को आज टमाटर की लागत तो दूर तुड़वाई के पैसे भी नहीं मिल पा रहे हैं। मध्य प्रदेश की मण्डियों से आ रहे समाचार केवल मध्यप्रदेश के टमाटर उत्पादक किसानों की ही पीड़ा व्यक्त नहीं कर रहे अपितु देश की अधिकांश मण्डियों में टमाटर के भाव औंधे मुंह गिर गए हैं। कुछ समय पहले ही गृहणियों की रसोई में टमाटर का तड़का मुश्किल हो गया था और टमाटर के खुदरा भाव 200 रु. प्रति किलो को छू गए थे आज वही टमाटर देश की किसी किसी मण्डी में तो एक रु. प्रति किलो से भी कम में बोला जा रहा है। ऐसे में किसान अपनी बदनसीबी के आंसू बहाते हुए सड़कों पर फेंकने, पशुओं को खिलाने या मण्डियों में बिखेरने को मजबूर हो रहे हैं। आज गली मौहल्ले में फेरी लगाकर बेचने वाले सब्जी विक्रेता ही 10 से 15 रु. किलो में टमाटर बेच रहे हैं। खुदरा में टमाटरों के भाव कम होने से आम नागरिकों को तो तात्कालीक फायदा हो रहा है पर उत्पादक किसान अपने आपको ठगा महसूस कर रहा है। यह केवल इस बार की ही समस्या नहीं है अपितु प्रतिवर्ष इस तरह के हालातों से किसानों को दो चार होना पड़ता है। देखा जाएं तो टमाटर ना कोई से दोस्ती और ना कोई से प्रेम वाली कहावत को चरितार्थ करता रहा है। साल में मौका मिलने पर पहले आमनागरिकों को रुलाता है तो फिर आमलोगों को थोड़ी राहत देते हुए उत्पादक काश्तकारों को रुलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता। लगभग यही स्थिति प्याज की कई सालों से चली आ रही है। जहां तक टमाटर के उत्पादन की बात है तो भारत दुनिया का दूसरा सबसे अधिक टमाटर उत्पादन करने वाला देश है। टमाटर के उत्पादन में भी चीन पहले पायदान पर है तो तुर्की, अमेरिका, मिस्र तीसरे, चौथे और पांचवें पायदान पर है। कहने को तो यह कहा जाता है कि टमाटर का उद्गम देश दक्षिणी अमेरिका, पश्चिमी तटीय प्रदेश माना जाता है। मैक्सिको से टमाटर सारी दुनिया में पहुंचा है। टमाटर धीरे धीरे रसोई का प्रमुख उपयोगी बन गया। यह भी माना जाता है कि 16 वीं शताब्दी में पुर्तगाली खोजकर्ताओं के साथ टमाटर ने हमारे देश में प्रवेश किया और आज यह घर घर की जरुरत बन गया। इसे विलायती भंटा या विलायती बैंगन भी कह कर पुकारा जाता रहा है। छत्तीसगढ़ के जशपुर टमाटर देश की सबसे बड़ी मण्डी मानी जाती है तो आंध्र प्रदेश टमाटर का सर्वाधिक उत्पादक प्रदेश माना जाता है। वैसे टमाटर की पैदावार समूचे देश में होती है और टमाटर के सहउत्पाद खासतौर से टमाटर कैचअप, टमाटर सॉस, टमाटर सूप आदि से कंपनियां बारे न्यारे कर रही हैं। जहां तक टमाटर की गणित समझने का सवाल उठता है विशेषज्ञों का मानना है कि टमाटर की खेती में काश्तकार की एक से दो लाख रु. तक की लागत प्रति एकड़ आती है और यह भी माना जाता है कि सामान्य परिस्थितियों में 400 से 420 क्विंटल टमाटर की पैदावार काश्तकार प्रति एकड़ तक ले लेते है। अत्यधिक गर्मी, अत्यधिक बरसात और ओलावृष्टि से सबसे अधिक टमाटर की फसल प्रभावित होती है। कीट प्रकोप के कारण भी टमाटर की पैदावार पर सीध असर पड़ता है। सबसे अधिक चिंतनीय बात यह है कि जब टमाटर की फसल तैयार होकर बाजार में आती है तो टमाटर की भावों में तेजी से गिरावट आने लगती है। इसका व्यापारी दोहरा लाभ उठाते हैं। एक तो ज्यादा से ज्यादा टमाटरों की खरीद कर निजी कोल्ड स्टोरेज में जमा कर देते हैं और मौके बेमौके बाजार में कृतिम अभाव पैदा कर दोहरा लाभ कमा लेते हैं। इसके अलावा बड़ी मात्रा में टमाटर के सहउत्पाद तैयार करने वाली मल्टीनेशनल कंपनियां बुवाई से पहले ही काश्तकारों से सौदा कर लाभ उठाती है। खैर यह विषयांतर होगा। टमाटर उत्पादक किसान तुड़वाई या मण्डी तक पहुंचाने की लागत भी नहीं मिलने से किसान परेशान है तो किसान इन हालातों को देखते हुए टमाटर के भी न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने और सरकारी खरीद की दबी जुबान से बात करने लगे हैं। खैर यह तो अलग बात हुई पर कहीं ना कहीं सरकार को भी साल दर साल होने वाले ऐसे हालातों को देखते हुए किसानों और आमलोगों के हित का रोडमेप बनाना ही होगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि जब सड़कों पर टमाटर बिखरे मिलते हैं तब भी सरकार की साख प्रभावित होती है।

महिलाओं के प्रजनन अधिकारों की रक्षा में छिपी खुशहाली

पिछली सदी के आखिरी दशक में संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) ने मुझे दक्षिण एशिया के लिए सद्भावना राजदूत नियुक्त किया था। अपनी नई भूमिका के लिए पूरी तरह तैयार होकर मैंने मुंबई की झुग्गियों में काम करने वाली महिलाओं से बात करने का फैसला किया। मैं गांवों में जाकर सैकड़ों महिलाओं से मिली और यह महसूस किया कि वे अपनी मर्जी से कई बच्चे पैदा नहीं करतीं। इससे उनके शरीर और बच्चों को होने वाले नुकसान से भी वे भली-भांति वाकिफ थीं। इनमें से कई महिलाएं कुपोषित थीं, तो कई एनीमिया (खून की कमी) से पीड़ित। मुझे याद है, मैंने एक महिला से कहा था कि उसके लिए मैं नियमित रूप से गर्भनिरोधक गोलियां भेजने की व्यवस्था करूंगी, जिसे वह अपनी सास और पति को बताए बिना चुपचाप ले सकती है। उसका जवाब था, दीदी, क्या आपको सच में लगता है कि मेरी झोपड़ी में एक भी ऐसी जगह है, जहां मैं परिवार की नजरों से बचाकर कोई चीज रख सकती हूं? उन दिनों कई समुदायों में परिवार नियोजन पर चर्चा करना गलत माना जाता था। पितृ-सत्तात्मक सोच और सामाजिक मानदंड ही नहीं, कई अन्य कारकों ने भी महिलाओं को परिवार नियोजन, यौन संबंध और प्रजनन से जुड़े मसलों पर फैसले लेने से रोका है। लैंगिक समानता, परिवार नियोजन, यौन व प्रजनन स्वास्थ्य और एचआईवी/एड्स से जुड़े सार्वजनिक विमर्शों में इस तथ्य को सामने लाने की जरूरत थी। मुझे इस संदर्भ में तमाम लोगों से बात करने का मौका मिला- सरकारी अधिकारियों से लेकर समुदायों के मुखियों तक। तब से लेकर अब तक हमने परिवार नियोजन के क्षेत्र में सराहनीय प्रगति देखी है। हालांकि, भारत के परिवार नियोजन-2030 विजन को हासिल करने के लिए अब भी काफी प्रयास करने की दरकार है। निस्संदेह, पिछले कुछ वर्षों में गर्भनिरोधक विकल्पों का काफी विस्तार हुआ है। अब ऐसे-ऐसे सुरक्षित और सरल तरीके हैं, जोस्त्रियों को अपने स्वास्थ्य और करियर को लेकर सजग फैसला लेने में सक्षम बना सकते हैं। इससे वे अधिक संतुष्ट जीवन जी सकती हैं। हालांकि, महिलाओं व पुरुषों, दोनों के लिए आधुनिक गर्भनिरोधकों तक पहुंच बनाना अब भी एक चुनौती है। आधुनिक गर्भनिरोधकों की उपलब्धता के बावजूद विवाहित स्त्रयों (15-49 आयु-वर्ग की) के बीच पारंपरिक तरीकों का उपयोग करीब-करीब दोगुना बढ़ गया है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, पारंपरिक तरीके से गर्भनिरोध करने वाली महिलाओं का आंकड़ा 2015-16 में 5.7 प्रतिशत था, जो 2019-21 में बढ़कर 10.2 फीसदी हो गया। सवाल है कि क्या हम उन बुनियादी कारणों को दूर करने में सफल रहे हैं, जो आधुनिक गर्भनिरोधकों को व्यापक तौर पर अपनाने से रोक रहे हैं? भारत में विशाल युवा आबादी को देखते हुए यहां अस्थायी और अंतराल वाले तरीकों की पहुंच जरूरी है। गर्भनिरोधक, जैसे इंजेक्शन, प्रत्यारोपण व अंतरगर्भाशयी उपकरण (आईयूडी) अनचाहे गर्भ को रोकने के विश्वसनीय तरीके हैं। इसके अलावा, खुद से प्रबंधन करने वाले तरीके भी हैं। ये महिलाओं को अपने गर्भधारण के बीच अंतराल रखने में सक्षम बनाकर मां व बच्चे, दोनों की सेहत को सुधारने में मददगार साबित होते हैं। एनएफएचएस-5 के मुताबिक, उन महिलाओं की संख्या घटी है, जो गर्भधारण को रोकना या टालना तो चाहती हैं, पर किसी गर्भनिरोधक का इस्तेमाल नहीं कर रही हैं।

नवरात्री पर विशेष...

आस्था और विश्वास का अदभुत नजारा देखने को मिलता है, मां आंवरी माताजी के दरबार में

नीमच, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले के ग्राम चीताखेड़ा के समीप छोटे से गांव माताजी का खेड़ा में नवरात्रि में आस्था और विश्वास का अदभुत नजारा देखने को मिलता है। नवरात्रि में आवरी माता जी के मंदिर में म.प्र. एवं राजस्थान के विभिन्न जिलों से हजारों श्रृद्धालु यहॉ दर्शन करने आते है। म.प्र. एवं राजस्थान की सीमा पर स्थित मॉ आवरी माताजी का यह दरबार क्षेत्रवासियों के लिए आस्था और विश्वास का केंद्र है।

मंदिर में पुजारी कारूलाल मीणा बताते है, कि उनकी पांच पीढ़ी से इस मंदिर में पूजा अर्चना की जा रही हैं। मान्यता हैं, कि लगभग तीन सौ वर्ष पूर्व आवरी माता मंदिर परिसर में स्थित वट वृक्ष के नीचे माँ की मूर्ति प्रकट हुई थी। जिसे बाद में मंदिर बनाकर यहाँ प्राण प्रतिष्ठा की गई है। मान्यता है, कि माताजी के इस दरबार में प्रतिदिन सैकड़ों लकवाग्रस्त मरीज दर्शन करने आते है, और यहां दर्शन, पूजा अर्चना कर भभूत का सेवन करने से रोग मुक्त हो जाते है। यहां चैत्र नवरात्रि में मेला लगता है। मंदिर प्रबंध समिति द्वारा मंदिर परिसर में श्रृद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न कार्य करवाये गये है। इस मंदिर के प्रति क्षेत्र के लोगों में अपार आस्था और विश्वास का भाव है, जो श्रृद्धालुओं को यहां दर्शन के लिए खीच लाता है।

नीमच जिला जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित

नीमच, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा म.प्र.पेयजल परीरक्षण अधिनियम 1986 के तहत नीमच जिले को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया है। इसके तहत जारी आदेशानुसार नीमच जिले में सभी जल स्त्रोतो नदी, बांध, नहर, जल धारा, झरना, झील, जलाशय, नलकूप या कुओं एवं किसी भी साधन से पेयजल प्रायोजन के लिए जल उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही जिले में निरंतर भू-जल स्तर में गिरावट एवं ग्रीष्मकाल में गंभीर पेयजल संकट की संभावना को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण जिले में अशासकीय एवं निजी नलकूपों के खनन पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

इस प्रतिबंधात्मभक आदेश के तहत जिले की सीमा में बगैर अनुमति के कोई भी नलकूप खनन, बोरिंग मशीन न तो प्रवेश करेगी और न ही बिना अनुमति के कोई खनन करेंगी। प्रत्येक राजस्व एवं पुलिस अधिकारी ऐसी बोरिंग मशीनों, जो अवैध रूप से जिले में प्रतिबंधित स्थापनों पर प्रवेश करेगी अथवा नलकूप बोरिंग का प्रयास करेगी। उन मशीनों को जप्त कर, पुलिस में एफआईआर दर्ज कराएंगे और जप्त की गई मशीनें तहसीलदार के आधिपत्य में रहेगी। इस आदेश का उल्लंघन करने पर प्रथम अपराध पर 5 हजार के जुर्माना और इसके बाद प्रत्येक अपराध के लिए 10 हजार रूपये का जुर्माना या दो वर्ष तक का कारावास के दण्डत से दण्डित किया जा सकेगा। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री एवं सहायक यंत्रियों को इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से 30 जून 2025 तक प्रभावशील रहेगा।

बरखेड़ी तालाब का किया जा रहा है गहरीकरण

नीमच, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के साथ ही नीमच जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में नीमच जिले में जल संरचनाओं के निर्माण एवं गहरीकरण के कार्य किए जा रहे है।

इसी क्रम में जनपद पंचायत मनासा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बरखेड़ा के ग्राम बरखेड़ी में स्थित बड़ा तालाब का ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों द्वारा जनसहयोग गहरीकरण कर मिट्टी निकालने का कार्य किया जा रहा है। तालाब गहरीकरण के इस कार्य से ग्रामीणों, किसानों को अपने खेतों में डालने के लिए उपजाऊमिट्टी उपलब्ध हो रही है। ग्राम बरखेडी के तालाब का गहरीकरण होने से जल भराव क्षमता में वृद्धि हो रही है, जिससे जल स्तर भी बढ़ेगा। इस तालाब गहरीकरण कार्य में अब तक तीन दिनों में 10 किसानों द्वारा 5 ट्रेक्टर ट्रालियों द्वारा जेसीबी की मदद से मिट्टी निकालकर अपने खेतों में डालने का कार्य किया जा रहा है। इस तालाब से 1300 से 1500 ट्राली मिट्टी निकालने के लिए मार्किंग की जाकर मिट्टी निकाली जा रही है। इससे तालाब की जल संग्रहण क्षमता 5000 घन मीटर बढ़ने की संभावना है।

जल संरक्षण एवं जल संचयन के लिए जिले की 34 ग्राम पंचायतों में जल चौपाल

नीमच, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण एवं जल संचयन के लिए कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में 3 अप्रेल से जिले में जल चौपाल विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। पहले दिन 3 अप्रेल को जिले की 34 ग्राम पंचायतों में जल चौपाल आयोजित की गई। इनमें जनपद क्षेत्र नीमच की 11 पंचायतों, जावद की 13 ग्राम पंचायतों एवं जनपद क्षेत्र मनासा की 10 ग्राम पंचायतों में नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में जल चौपाल आयोजित की गई। इन जल चौपालों में ग्रामीणों के साथ जल संरक्षण, जल संचयन एवं जल संरचनाओं के निर्माण के संबंध में चर्चा कर, ग्रामीणों को जनभागीदारी से जल संरचनाओं के निर्माण के लिए प्रेरित किया गया है। साथ ही ग्रामीणों से चर्चा कर, पंचायत क्षेत्र में जल संरचनाओं के निर्माण के लिए कार्यो का चिन्हांकन किया गया है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 4 अप्रेल 2025 को नीमच जनपद क्षेत्र में 11, जावद जनपद क्षेत्र में 13 और मनासा जनपद क्षेत्र की 10 ग्राम पंचायतों में नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में जल चौपाल आयोजित की जा रही है। जल चौपाल के निरीक्षण के लिए निरीक्षणकर्ता अधिकारी नियुक्त किए गए है। साथ ही एक-एक ग्राम पंचायत के लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए है।

लोड़किया में स्वरोजगार शिविर सम्पन्न

नीमच, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार गुरूवार को मनासा जनपद की ग्राम पंचायत लोडकिया में पंख अभियान के तहत रोजगार शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में समुदाय विशेष (बांछड़ा समुदाय) की महिलाओं और पुरुषों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी देकर, उनका लाभ लेने की प्रक्रिया बताई गई। शिविर में पात्र हितग्राहियों का चयन कर, उन्हें संबंधित योजनाओं के दस्तावेजों की जानकारी देकर योजना से लाभांवित किया। इस शिविर में तहसीलदार श्री मुकेश निगम, मनासा जनपद के पीसीओ श्री गोपाल परिहार सहित शिक्षा, पशुपालन, स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। शिविर में समुदाय विशेष की छात्रा सानिया पिता मुकेश निवासी लोडकिया को महागढ संकुल में सर्वाधिक 93 प्रतिशत अंक हांसिल करने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

डा. आशीष खिमेसरा डी.लिट उपाधि से अलंकृत

मंदसौर, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के 29 वें दीक्षांत समारोह में म.प्र. के राज्यपाल महामहिम श्री मंगूभाई पटेल व प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आशीष हेल्थ क्लिनिक के डायरेक्टर डॉ. आशीष खिमेसरा को औषधि निर्माण उद्योग में गुणवत्ता प्रबंधन पर उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए डी.लिट की उपाधि से अलंकृत किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहनयादव एवं श्री कमलेश डी पटेल पदमभूषण को डी.लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, बालयोगी श्री उमेश जी महाराज, संसद सदस्य राज्यसभा, श्री अनिल फिरोजिया संसद सदस्य लोकसभा, श्री अनिल जैन कालूहेड़ा विधायक म.प्र. विधानसभा ने सहभागिता प्रदान की। कुलगुरू प्रो. अर्पण भारद्वाज ने विश्वविद्यालयीन विकास कार्यो की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने किया। डॉ. खिमेसरा को इष्टमित्रों एवं परिजनों ने बधाई दी।

खिलाड़ियों ने रैली व चित्रकला से दिया जल संरक्षण का संदेश

नीमच, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संर्वधन अभियान अंतर्गत म.प्र.जन अभियान परिषद ताईकवाण्डों एसोसिएशन एवं नवांकुर संस्था नीमच ने संयुक्त रूप से नीमच शहर के रेल्वे कॉलोनी नीमच में चित्रकला प्रतियोगिता एवं जल संरक्षण के नारों के साथ रैली आयोजित कर, जल संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही जल संरक्षण पर संवाद आयोजित किया गया। खिलाडियों ने चित्रकला के माध्यम से जल संरक्षण के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया और समाज को जल बचाने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में रेल्वे के हेल्थ इंस्पेसक्टर श्री एएस वर्मा, ताईकवाण्डो एसोसिएशन के सचिव श्री जयप्रकाश लोधा, जनअभियान परिषद के श्री पवन कुमरावत, नवांकुर संस्था अध्यक्ष एवं सदस्य सामुदायिक नेतृत्वन क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थी एवं खिलाडियों ने भाग लिया।

पोषण भी-पढ़ाई भी आंगनवाड़ी केंद्रों में समग्र विकास की नई दिशा

मंदसौर, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। बाल्यावस्था केवल खेल-कूद और मस्ती का समय नहीं है, बल्कि यह जीवन की आधारशिला रखने वाला महत्वपूर्ण दौर भी है। गर्भधारण से लेकर छह वर्ष की आयु तक का समय बच्चे के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए बेहद अहम होता है। विशेष रूप से पहले 1000 दिन, गर्भ के नौ महीने और जन्म के बाद के दो साल, बच्चे के भविष्य की नींव मजबूत करने में निर्णायक भूमिका निभाते है। इस दौरान सही पोषण के साथ-साथ संज्ञानात्मक विकास के अवसर भी उतने ही आवश्यक होते हैं।संयुक्त परिवारों की घटती संख्या और बदलते सामाजिक परिवेश के कारण अब घर में बच्चों को पारंपरिक रूप से मिलने वाला सहज शिक्षण प्रभावित हो रहा है।

इसी कमी को पूरा करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाया जा रहा है, जहां गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं और छह वर्ष तक के बच्चों को पोषण आहार के साथ-साथ प्रारंभिक शिक्षा दी जाती है।समाज की भागीदारी से होगा बच्चों का भविष्य उज्ज्वल।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मानना है कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिये न सिर्फ माता-पिता की बल्कि समाज की भागीदारी भी आवश्यक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सक्षम आंगनवाड़ी की 'पोषण भी, पढ़ाई भी' अभियान की शुरूआत 10 मई 2023 को की गई थी। इसका उद्देश्य प्रारंभिक बाल्यवस्था में देखभाल और शिक्षा पर आंगनवाड़ी प्रणाली का ध्यान केन्द्रित करना है। साथ ही आंगनवाड़ी केन्द्र को उच्च गुणवत्ता वाली बुनियादी सुविधाओं खेल के उपकरण और विधिवत प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ एक शिक्षण केन्द्र में परिवर्तित करना भी इसका उद्देश्य है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव मानते है कि अच्छा पोषण न केवल शारीरिक वृद्धि बल्कि मानसिक विकास और सीखने की क्षमता को भी बढ़ावा देता है। पोषण भी, पढाई भी कार्यक्रम के माध्यम से महिला एवं बाल विकास विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है कि हमारे नौनिहालों को एक सकारात्मक, स्वच्छ वातावरण मिले, जहाँ वे सीखने और बढ़ने के लिए प्रेरित हों। यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए मिलकर प्रयास करें। यदि हम बचपन में ही बच्चों को सही पोषण और सीखने के पर्याप्त अवसर दें, तो न केवल उनके स्वास्थ्य बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत कर सकते हैं। पोषण भी पढ़ाई भी एक ऐसा अभियान है जिसके साथ जुड कर हम अपनी भावी पीढ़ियों को सशक्त बना सकते है और एक स्वस्थ, शिक्षित समाज का निर्माण करने में अहम भूमिका निभा सकते है। पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम : समग्र विकास की पहल, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम, बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए प्रारंभिक शिक्षा को पोषण से जोड़ता है। इस कार्यक्रम के तहत, आंगनवाड़ी केंद्रों में तीन से छह वर्ष तक के बच्चों को स्कूल पूर्व शिक्षा दी जा रही है, जिससे वे प्राथमिक विद्यालय में औपचारिक शिक्षा के लिए तैयार हो सकें। इसके अलावा, पहली बार तीन वर्ष से छोटे बच्चों की देखभाल और संभावित दिव्यांगता की पहचान के लिए विशेष गतिविधियाँ तय की गई हैं।आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया है ताकि वे विकास में देरी या संभावित विकलांगता के संकेतों की पहचान कर सकें। इससे ऐसे बच्चों के शीघ्र उपचार और सही देखभाल की प्रक्रिया शुरू की जा सकेगी। कई बार बच्चों में विकास संबंधी समस्याएँ तुरंत स्पष्ट नहीं होतीं, जैसे कि श्रवण या दृश्य बाधाएँ, बोलने में देरी, डाउन सिंड्रोम, या सेरेब्रल पाल्सी। इनका समय पर पता लगाने से आगे चलकर गंभीर दिक्कतों से बचा जा सकता है।मध्यप्रदेश में कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन,मध्यप्रदेश इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (निपसिड) के विशेषज्ञों द्वारा 2,758 परियोजना अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया, जो अब प्रदेश की 95,253 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर रहे हैं। अब तक 93,454 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं।कार्यक्रम की प्रभावी निगरानी के लिए जिला कलेक्टरों और राज्य स्तरीय अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। मार्च 2025 में दो चरणों में आयोजित इस प्रशिक्षण के दौरान ऑनलाइन उपस्थिति पंजीयन की व्यवस्था की गई, जिससे वास्तविक आंकडे प्राप्त किए जा सके।

नवरात्रि पर्व पर आकोदड़ा स्थित मगरा माताजी मंदिर में भक्तों का लग रहा है तांता

आकोदड़ा, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर से मात्र 25 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत आकोदड़ा में स्थित मगरा का माताजी मंदिर जो कालका माता मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है यहां नवरात्रि में भक्तों का तांता लगा हुआ है। यहां आने वाले भक्तों की मुरादें पुरी होती है। अंधत्व, लखमा और असाध्य रोगों से मुक्ति मिलती है।

यहां रोगी को सोए सोए लाते हैं और मातारानी के चमत्कार से रोगी स्वयं ठीक होकर पैदल-पैदल घर जाता है। ऐसे कई चमत्कार यहां देखने को मिलता है। ऐसी किंवदंती है कि यहां लोगों ने आकाश में उड़ते हुए इस मंदिर को यहां स्थापित कर दिया। यहां चैत्र नवरात्रि में मेले का आयोजन किया जाता है ग्राम पंचायत के तत्वाधान में सांस्कृतिक और आर्केस्ट्रा के साथ साथ अखिल भारतीय कवि सम्मेलन भी आयोजन भी किया जाता है। ग्राम पंचायत के सरपंच कारूलाल पाटीदार ने बताया कि यह मेला आकोदड़ा सहित 24 गांव के सहयोग से संचालित किया जाता है मंदिर का ट्रस्ट बना हुआ है वर्ष भर शनिवार रविवार को नि:शुल्क भोजन की व्यवस्था भी की जातीं हैं वहीं दोनों नवरात्रि में नौ दिनों तक भण्डारा चलता है। अनेक स्वयंसेवी संस्थाएं इस धार्मिक आयोजन में बढ़ चढ़कर श्रमदान और अर्थदान करती है। जय माताजी युवा ग्रुप द्वारा सेवा का प्रकल्प पूरा किया जाता है। 11 वर्षों से निशुल्क चाय की व्यवस्था इस ग्रुप के माध्यम से की जाती है वहीं दूसरी ओर इस वर्ष हजारों भक्तों के लिए निशुल्क ठंडे पानी की व्यवस्था ग्रुप के द्वारा की जा रही है। मगरा का माताजी मंदिर परिसर से लगी हुई कमल मुनि कमलेश गौशाला भी यहां संचालित की जा रही है जिसमें भक्तों और सेवादारों द्वारा गौ माता को माता के समान ही रखा जाता है समय पर चारा पानी के साथ-साथ बीमार गौ माता को नियमित इलाज भी दिया जा रहा है। गौशाला प्रबंधन समिति के सचिव श्री दयाराम पाटीदार ने बताया कि सेवा करना हमारा दायित्व है और इस गौशाला को प्रसिद्ध करना हमारा लक्ष्य है सभी लोग इसमें सहयोग कर रहे हैं यह सकारात्मक सहयोग ही गौशाला के विकास में ऊर्जा का संचार कर रही है।

आज कई राज्यों में भारी बारिश और बिजली गिरने की संभावना

भोपाल, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने घोषणा की है कि चक्रवाती परिसंचरण के कारण 4 अप्रैल तक कई राज्यों में भारी बारिश, गरज के साथ छींटे और बिजली गिरने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग द्वारा तेलंगाना, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। 3 अप्रैल को, मौसम सेवा ने 'खतरे की चेतावनी' जारी की, जिसमें ओलावृष्टि, बिजली, तेज़ हवाएँ और गरज के साथ छींटे पड़ने की आशंका जताई गई। इस बीच, गुजरात के लिए हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है।

इंदौर में दिनभर उमस और गर्मी के बाद रात को हुई बूंदाबांदी– अप्रैल माह की शुरुआत के साथ ही गर्मी तीखे तेवर दिखाने लगी है। दिनभर उमस और तेज धूप के बाद रात को मौसम में बदलाव हुआ। शहर के कई क्षेत्रों में बुधवार रात बूंदा-बांदी हुई। जिन क्षेत्रों में बूंदाबांदी हुई वहां लोगों को मामूली राहत मिली जबकि अन्य क्षेत्रों उमस के चलते लोग परेशान नजर आए। अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री दर्ज किया गया।मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिन दिन के तापमान में बढ़ोत्तरी होगी। इसके चलते लोगों को गर्मी से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मौसम अपडेट 2025– IMD ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, '31 मार्च से 4 अप्रैल तक मध्य प्रदेश, विदर्भ, तेलंगाना, तटीय कर्नाटक, केरल और माहे, कोंकण और गोवा और मध्य महाराष्ट्र में 30 से 60 किमी/घंटा की गति से गरज के साथ छींटे, बिजली और तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है।'

आईएमडी ने आगे कहा, 'छत्तीसगढ़, ओडिशा, मराठवाड़ा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तथा आंतरिक कर्नाटक में इसी अवधि के दौरान इन मौसमी स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। गंगा के तटीय पश्चिम बंगाल, झारखंड और रायलसीमा में 2 से 4 अप्रैल तक गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।'

अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाओं के साथ इस वायुमंडलीय स्थिति के कारण 5 अप्रैल तक और 6 अप्रैल को तमिलनाडु, पुडुचेरी, कर्नाटक और केरल में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने का अनुमान है। गुरुवार को चेन्नई के निवासियों ने मूसलाधार बारिश के साथ सुबह की और कई लोगों ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट कीं। मौसम विभाग के अनुसार, चेन्नई का आसमान आज आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

आईएमडी हीटवेव अलर्ट 2025– आईएमडी ने 2 अप्रैल को कहा, 'अगले 7 दिनों के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ के अलग-अलग इलाकों में हीट वेव की स्थिति बनी रहने की संभावना है; 05-08 के दौरान पश्चिमी राजस्थान; 06-08 के दौरान गुजरात क्षेत्र; 07 और 08 अप्रैल को पूर्वी राजस्थान।' छत्तीसगढ़, आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में 03 अप्रैल 2025 को दोपहर से लेकर रात के शुरुआती पहर के दौरान गरज के साथ बिजली, तेज़ हवा (40-50 किमी प्रति घंटे) और ओलावृष्टि की संभावना है।

एक सप्ताह का पूर्वानुमान– अगले सात दिनों में मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस के बीच क्रमिक वृद्धि का अनुमान लगाया है। गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और उत्तरी कर्नाटक में इस महीने लू चलने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार, अप्रैल और जून में निम्नलिखित राज्यों में लू के दिन अधिक रहेंगे। राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तरी कर्नाटक और तमिलनाडु।

लदूसा रा सांवरिया थारो भरियो रे भण्डार, टोटो ना पड़े

भगवान श्री लक्ष्मीनारायण (सांवलिया सेठजी) के दरबार में हुई प्रसिद्ध भजन गायक गोकुल शर्मा की भजन संध्या

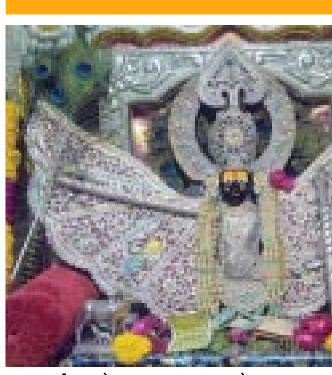

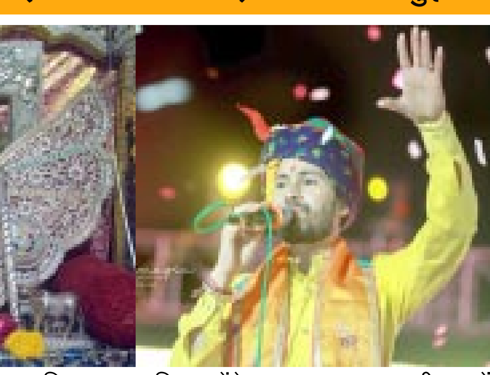

मंदसौर, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। ग्राम लदूसा स्थित मालवा क्षेत्र के प्रसिद्ध भगवान श्री लक्ष्मीनारायण (सांवलिया सेठजी) मंदिर परिसर में लदूसा नरेश धार्मिक कल्याण समिति द्वारा 2 अप्रैल, बुधवार की रात्रि को सांवरिया सेठ के प्रसिद्ध भजन गायक गोकुल शर्मा की भव्यातिभव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजनों को सुनने के लिये ग्राम लदूसा सहित आसपास क्षेत्र के 20 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे तथा भजनों पर नृत्य कर प्रभु के प्रति अपने श्रद्धा भाव प्रकट किये।

उक्त जानकारी देते हुए मंदिर समिति के महेश व्यास लदूसा ने बताया कि यह मंदिर अंचल ही नहीं पूरे देश में ख्याति अर्जित करता जा रहा है। मंदिर में होने वाले भव्य धार्मिक आयोजन दर्शनार्थियों को अपनी और आकर्षित कर रहे है। इसी के तहत प्रसिद्ध भजन गायक गोकुल शर्मा की भजन संध्या का आयोजन किया गया। गोकुल शर्मा ने अपने भजन सांवरिया थारी माया रो पायो नहीं पार रे सुनाकर भक्ति संध्या की शुरूआत की। उन्होंने लदूसा रा सांवरिया थारो भरियो रे भण्डार, टोटो ना पडे सुनाया जिसे सुनकर उपस्थित सभी भक्तों ने नृत्य किया। उन्होंने गाड़ीया-गाड़ीया होटला पर नाम लिखो सांवरिया को सुनाकर सांवरिया सेठ की महिमा बताई। एक के बाद एक भजनों ने उपस्थित श्रद्धालुजनों को भक्ति से भाव विभोर कर दिया। इसके पूर्व 2 अप्रैल को प्रातः 10 से दोप. 2 बजे तक सांवरिया सेठ का महाअभिषेक हुआ। सायंकाल जनपद पंचायत अध्यक्ष बसंत शर्मा की ओर से उनके जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विशाल भण्डारा व सायं 7 बजे से महाआरती व महाप्रसादी छप्पन भोग का आयोजन किया गया। जिसमें भी हजारों श्रद्धालु पहुंचे। इस दौरान अतिथि के रूप में मेनपुरिया आश्रम के संत स्वामी श्री मणिमहेशचैतन्यजी महाराज, भागवताचार्य श्री राजेन्द्र करनाखेड़ी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार, भाजपा जिलाध्यक्ष पं. राजेश दीक्षित, जिला पंचायत सदस्य नरेन्द्र पाटीदार, कांग्रेस नेता सोमिल नाहटा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। संचालन वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी ने किया एवं आभार संजय पाटील ने माना।

संस्कार भारती के तत्वाधान में आज नूतन स्कूल सभागार में होगा आयोजन

मंदसौर, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कला एवं साहित्य के क्षेत्र में कार्य करने वाली अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती मंदसौर जिला इकाई की तत्वाधान में नवसंवत- नवरात्र अभिनंदन के शुभ प्रसंग पर 4 अप्रैल शुक्रवार को संध्या 6:45 बजे से मंदसौर के नूतन स्कूल सभागार में एक अति विशिष्टकार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें एक ही स्थान पर शास्त्री गायन , एकल तबला वादन, लोक गीत संगीत, कथक नृत्य सहित अनेक प्रस्तुतियां होगी।

इस आशय की जानकारी देते हुए संस्कार भारती संस्था के जिला अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल देशमुख ने बताया कि नव संवत नवरात्र अभिनंदन के तहत विशेष आकर्षण के रूप में शास्त्री गायन के आयोजन में श्री दिव्यांश शर्मा अपनी विशेष प्रस्तुति देंगे। एकल तबला वादन में श्री हर्ष दशलानिया (श्री गीत अखण्ड) ,लोक गीत संगीत में श्री किशोर बारेट की प्रस्तुति रहेगी। तो वही दूसरी ओर मंदसौर इंटरनेशनल स्कूल के छात्र छात्राओं वंश सोनी,अनन्या जोग, भव्या कुमावत, स्वरूप चीनके द्वारा गायन तथा कथक नृत्य में जीनल जैन,अनिका जैन , आर्या दवे, अस्मिता सोनी, चेत्या बडजात्या,मासूम देववाणी,हिमांगी जोशी,रिद्धि लालवानी,अदिति तिवारी, जानवी निमे द्वारा विशेष प्रस्तुति नृत्य नाद निकुंज श्रीमती सन्नाली शर्मा के निर्देशन में दी जाएगी। साथ ही संगत कलाकार हारमोनियम पर श्री ऐश्वर्य देशमुख, सुश्री आयुषी देशमुख, तबला पर श्री नयन चौहान,श्री विश्वेश पँवार, श्री सन्नी विश्वकर्मा, श्री हर्ष दशनालिया अपनी कला का जादू बिखेरेंगे।

नौवीं में विद्यार्थियों को मजबूत करने की कवायद...

भोपाल में प्रशिक्षित शिक्षक कराएंगे ब्रिज कोर्स

मंदसौर, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सरकारी स्कूलों में कक्षा 9वीं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में अध्ययन के स्तर और दक्षता को सुधारने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ब्रिज कोर्स का संचालन कर रहा है। इसके लिए हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषय के रिसोर्स पर्सन तैयार किए गए हैं। इनका प्रशिक्षण भोपाल करवाया जा चुका है। अब स्कूलों में हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित के एक-एक शिक्षक को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था मार्च माह से शुरु कर दी गई थी।

प्रशिक्षित शिक्षक अप्रेल में और 16 जून से 20 जुलाई तक ब्रिज कोर्स का संचालन करेंगे। ब्रिज कोर्स का संचालन सभी सरकारी हाई और हायर सेकण्डरी स्कूलों में होगा। इसके साथ ही इन 3 विषयों के अलावा विज्ञान एवं संस्कृत विषय की पढ़ाई भी इन बच्चों को करवाई जाएगी। लोक शिक्षण संचालनालय ने स्कूल में लगने वाले ब्रिज कोर्स की समय-सारणी भी तैयार की है। ब्रिज कोर्स के दौरान 5 और 12 अप्रेल को इन विद्यार्थियों का बेस लाइन टेस्ट अंग्रेजी, गणित और हिन्दी में लिया जाएगा। बेस लाइन टेस्ट पेपर 31 मार्च को स्कूल शिक्षा विभाग के विमर्श पोर्टल पर अपलोड कर दिए जाएंगे। इस संबंध में निर्देश दे दिए गए है। तय तिथियों में जो विद्यार्थी किन्ही वजह से टेस्ट नहीं दे पाएंगे उनके लिए अलग व्यवस्था की गई है। बेस लाइन टेस्ट की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन संबंधित शिक्षकों द्वारा उसी दिन किए जाने की व्यवस्था की है। बेस लाइन टेस्ट में कम दक्षता वाले विद्यार्थियों के लिये अंग्रेजी, हिन्दी और गणित विषय के ब्रिज कोर्स की व्यवस्था की है।

गुणवत्ता जांचने के लिए एंड लाइन टेस्ट– सरकारी हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूलों में ब्रिज कोर्स की समाप्ति पर 20 जुलाई के बाद विद्यार्थियों की गुणवत्ता जांचने के लिए एंड लाइन टेस्ट की भी व्यवस्था की जा रही है। यह टेस्ट 21 से 25 जुलाई के बीच होगा। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी सरकारी स्कूलों को निर्देश दिये हैं। ब्रिज कोर्स की मॉनिटरिंग के लिए 3 स्तर पर राज्य, संभाग और जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी को प्रति माह कम से कम 10 विद्यालयों में मॉनिटरिंग किए जाने के लिए कहा गया है। उनके इस कार्य में जिला परियोजना समन्वयक और विकासखंड शिक्षा अधिकारी मदद करेंगे।

रेलवे समपार 141 पर शीघ्र बनेगा अण्डरब्रिज

पिपलियामंडी, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर में रेलवे समपार 141 पर लगभग 6 करोड़ 37 लाख की लागत से बनने वाले अण्डरब्रिज निर्माण कार्य को लेकर जल्द ही टेण्डर प्रक्रिया होगी। गुरुवार को नगर परिषद् आए रेलवे अधिकारी ने अण्डरब्रिज कार्य का नक्षा प्रस्तुत किया, जिस पर नगर परिषद् अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया ने अवलोकन कर हस्ताक्षर किए।

श्रीमती देवरिया ने बताया कि नगरवासियों की मांग पर नगर में ओवरब्रिज बनाया गया था, लेकिन ओवरब्रिज बनने से नगर के दोनों और रहने वाले लोगों को इधर से उधर आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इसके बाद अण्डरब्रिज की लगातार मांग की जा रही थी। समस्याओं को देखते हुए नगर हित में उक्त ओवरब्रिज के नीचे अण्डरब्रिज बनाने के लिए क्षेत्र के विधायक एवं प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को अवगत कराया था। जनता की समस्या को देखते हुए श्री देवड़ा ने उक्त स्थान पर अण्डरब्रिज बनाने के लिए रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से चर्चा की थी। इसके बाद रेलवे समपार 141 पर अण्डरब्रिज बनाए जाने की स्वीकृति मिल पाई है। नप अध्यक्ष श्रीमती देवरिया ने बताया गुरुवार को वरिष्ठखंड अभियंता (कार्य) नीमच के चिन्तामणि गुप्ता नगर परिषद् पहुंचे, उन्होंने प्रस्तावित अण्डरब्रिज निर्माण कार्य का नक्षा प्रस्तुत किया। जिसका अवलोकन कर कार्य को लेकर स्वीकृति प्रदान की है। नप अध्यक्ष श्रीमती देवरिया ने बताया कि अण्डरब्रिज बनने से वार्ड 1,2,3,4 के रहवासियों के अलावा नगर तथा आस-पास ग्रामीण क्षेत्र के हजारों लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। इस अवसर पर नप अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील देवरिया, उपाध्यक्ष भारतसिंह सोनगरा, पार्षदगण कमल गुर्जर, ललित कसेरा, बलराम सोलंकी, गोर्धननाथ योगी आदि उपस्थित रहे। श्रीमती देवरिया ने बताया कार्य का भूमिपूजन प्रदेश के उपमुख्यमंत्री करेंगे, इसके बाद उक्त अण्डरब्रिज उच्च स्तरीय तकनीक से बनेगा जो मात्र 48 घंटे के भीतर बनकर तैयार हो जाएगा। उक्त ब्रिज की 6 मीटर चौड़ाई, 2.65 मीटर उंचाई व करीब 100 मीटर लम्बाई होगी।

हाई एवं हायर सेकण्डरी स्कूलों में करियर काउंसलिंग की सुविधा

मंदसौर, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में शासकीय हाई एवं हायर सेकण्डरी स्कूलों में कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिये करियर काउंसलिंग एवं गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उचित चयन श्रेष्ठकरियर कार्यक्रम में कक्षा 9वीं एवं 11वीं में जो विद्यार्थी उत्तीर्ण नहीं हो पाये हैं। उनके अभिभावकों को विद्यालय बुलाकर उसी कक्षा में प्रवेश के लिये काउंसलिंग की जा रही है। ऐसे विद्यार्थी जो आगे की पढ़ाई निरंतर नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें हार के आगे जीत कार्यक्रम में आईटीआई पाठ्यक्रम, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की जानकारी देकर उन्हें व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ने के प्रयास किये जा रहे हैं। इस कार्य के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को मास्टर ट्रेनर और करियर काउंसलर की सेवा लेने के लिये कहा गया है।दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजनाइस योजना में आवेदकों को अपनी ग्राम पंचायत ग्राम रोजगार सेवक के साथ दाखिला लेने की आवश्यकता है। आवेदक को ट्रेनिंग सेंटर के बारे में जानकारी मिलेगी। इसके लिये आवेदक को आवश्यक पहचान-पत्र, इनमें मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड एवं अन्य जानकारी रोजगार सेवक को देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण के बाद ऋण उपलब्ध कराने में आवेदक को पूरी मदद दी जायेगी।प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनाप्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में देशभर में एक करोड़ युवाओं को प्रशिक्षण देने की योजना बनाई गई है। इस योजना में 3 माह, 6 माह और एक साल के लिये युवाओं का रजिस्ट्रेशन किया जाता है। कौशल संबंधी कोर्स पूरा करने के बाद सर्टिफिकेट दिये जाने का प्रावधान है। यह सर्टिफिकेट पूरे देश में मान्य होता है। इस योजना में भी प्रशिक्षण के बाद ऋण प्राप्त करने की सुविधा है। इस योजना में केन्द्र सरकार ने कई टेलिकॉम कंपनियों को इस कार्य के लिये अपने साथ जोड़ रखा है। मोबाइल कंपनियां इस कार्यक्रम से जुड़े लोगों को मेसेज करके एक फ्री टोल नंबर देंगी, जिस पर कंडिडेट को मिस्ड कॉल देना होगा। मिस्ड कॉल के तुरंत बाद आवेदक के पास एक नंबर से कॉल आयेगा, जिससे बाद आवेदक इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस (आईवीआर) सुविधा से जुड़ जायेगा। इस प्रक्रिया के बाद आवेदक को उसके निवास के आस-पास ट्रेनिंग सेंटर से जोड़ा जायेगा। केन्द्र सरकार का कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय अब तक एक करोड़ 50 लाख से अधिक युवाओं का कौशल उन्नयन कर चुका है। इस योजना में युवाओं को कन्ट्रक्शन, इलेक्ट्रॉनिक्स, हार्डवेयर, फुड प्रोसेसिंग, फर्नीचर, हेन्ड्रीक्रॉफ्ट, जेम्स और जूलरी समेत 40 क्षेत्र की ट्रेनिंग दिये जाने की सुविधा है। स्कूल शिक्षा विभाग के इस कार्यक्रम के लिये जिला शिक्षा अधिकारियों को अपने क्षेत्र के युवाओं को प्रशिक्षण संबंधी जानकारी देने के निर्देश दिये गये हैं।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	30	2260	2330
उडद	5	5101	5599
सोयाबीन	3370	4101	4481
गेहु	12000	2260	2840
चना	370	5500	5801
मसुर	145	5600	6053
धनिया	266	6252	10020
लहसुन	19500	2300	9050
मैथी	1437	3980	6102
मुंगफली	548	4740	5181
अलसी	2020	5800	6350
सरसो	231	5752	6141
तारामीरा	000	0000	0000
इसबगोल	76	10800	13400
प्याज	3089	200	1200
कलौंजी	5	16700	17700
तुलसी बीज	1	16600	16600
डॉलर	57	7801	9300
तिल्ली	000	0000	0000
जौ	45	2151	2181
मटरसुखी	10	2100	4200
असालीया	58	6600	7140
चियाबीज	120	9000	12700

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/551/खनिज/2025 मंदसौर, दिनांक-02.04.2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// प्रथम सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक वराह इन्फ्राटेक, गोल चौराहा, मंदसौर जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 25.03.2025 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 07.05.2025 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मंदसौर	उदपुरा	1013	4.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर एवं एम सेड़ मुरम (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 07.05.2025 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र एवं पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त आवेदन पत्र को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-11112/25

दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

विभागीय आदेशों को नजरअंदाज कर रहा ए टू जेड कैफे का संचालक

वाहन पार्किंग में अतिक्रमण कर प्रशासन को दिखा रहा हैं ठेंगा

मंदसौर, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन द्वारा की जा रही सख्ती के बावजूद ए टू जेड कैफे के प्रबंधक द्वारा सरकारी आदेशों की अवहेलना का मामला सामने आया है। कार्यालय परिसमापक, जिला सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंक मर्यादित, मंदसौर ने 16 जनवरी 2025 को अंतिम चेतावनी पत्र जारी कर तत्काल अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिए थे। बावजूद इसके, आज तक इस आदेश का पालन नहीं किया गया, जिससे प्रशासन की सख्ती और निष्क्रियता पर सवाल उठने लगे हैं।

नेमीचंद राठौर

कैसे किया जा रहा अतिक्रमण?–A to Z कैफे का संचालन द्वारा जिस मित्र वत्सला भवन की वाहन पार्किंग में किराये पर दिए गए स्थान के अलावा भी अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया है। संचालक द्वारा वाहन पार्किंग के लिए निर्धारित स्थान में गार्डनिंग कर चाट स्टॉल और टेबल कुर्सियाँ लगाकर व्यापार किया जा रहा है, जिससे अन्य दुकानदारों और आगंतुकों को भारी असुविधा हो रही है। सबसे गंभीर बात यह है कि बेसमेंट, जिसे वाहन पार्किंग के लिए आरक्षित किया गया था, वहां अवैध रूप से खाद्य सामग्री तैयार की जा रही है। उप पंजीयक अधिकारी द्वारा निरीक्षण के दौरान पाया गया था कि बेसमेंट में कई गैस सिलेंडर रखे हुए हैं, जिससे आगजनी जैसी बडी दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। यह सुरक्षा मानकों का खुला उल्लंघन है और किसी भी अप्रिय घटना को न्योता दे सकता है।

प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल–इससे पहले भी नगर पालिका मंदसौर ने 7 अगस्त 2024 को पत्र जारी कर भवन के बेसमेंट चल रहे व्यवसाय को लेकर पंजीयक सहकारी संस्था को पत्र लिखा था इस पर विभाग ने नगरपालिका परिषद को A to Z कैफे के अतिक्रमण की जानकारी देते हुए अतिक्रमण हटाने के निवेदन भी किया था, साथ ही अॅनि संचालक को भी निर्देश जारी किए गए थे उसके बाद भी संचालक द्वारा निर्देशों को नजरअंदाज कर दिया। हाल ही में, सहकारी बैंक ने फिर से पत्र जारी कर साफ कहा कि तत्काल अतिक्रमण हटाया जाए और बेसमेंट में खाद्य सामग्री का निर्माण बंद किया जाए। बावजूद इसके, कैफे संचालक ने आदेश को ठुकराते हुए व्यवसाय जारी रखा है। विभाग ने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और मुख्य नगर पालिका अधिकारी को भी इस संबंध में सूचना भेजी, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

नगर पालिका परिषद की दोहरी नीति?–यह विडंबना है कि नगर पालिका परिषद अन्य छोटे व्यापारियों और हाथ ठेला संचालकों को बलपूर्वक हटाता है, लेकिन कैफे के अतिक्रमण को लेकर कोई कठोर कदम नहीं उठाया गया। स्थानीय व्यवसायियों और नागरिकों का कहना है कि प्रशासन की यह निष्क्रियता एक गंभीर प्रश्न खडा करती है – क्या नियम सभी के लिए समान नहीं हैं?

स्थानीय व्यापारियों की मांग–इस मामले में स्थानीय व्यापारियों ने नगर पालिका परिषद से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि छोटे व्यापारियों पर सख्ती की जाती है, तो बडे कैफे संचालकों को छूट क्यों दी जा रही है? यदि व्यापारी नहीं मानता है तो कार्यालय परिसमापक जिला सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंक मर्या. मन्दसौर को अनुबंध के आधार पर किरायेदारी समाप्त करनी चाहिए। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस अतिक्रमण को हटाने के लिए सख्त कदम उठाता है या फिर यह मामला भी अन्य लंबित मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाता है।

हादसों पर लगाम के लिए 103 में से 77 रेलवे स्टेशन इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली से युक्त हुए

रतलाम, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस रतलाम रेल मंडल के 103 में से 77 रेलवे स्टेशन को इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली से युक्त कर दिया गया है। इसका सबसे ज्यादा लाभ यह होगा कि मानवीय गलतियों से होने वाली रेल दुर्घटनाओं की संभावनाएं ना के बराबर होगी। रेलवे का कहना है कि सुरक्षा एवं संरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क है तथा सुविधाएं प्रदान करने के लिए मंडल अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

इस समय भारतीय रेलवे में तीन तरह के इंटरलॉकिंग आरआरआई (रूट रिले इंटरलॉकिंग), पीआई (पैनल इंटरलॉकिंग) एवं तीसरा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्यरत है। वर्तमान में भारतीय रेलवे में ईआई का प्रचलन अधिक है जो कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। मंडल में संरक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए सभी विद्युत सिग्नल को नए कंप्यूटर आधारित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम से बदल रहा है। मंडल पर वर्तमान में 103 इंटरलॉक्ड रेलवे स्टेशन हैं, जिसमें 77 स्टेशनों पर ईआई प्रणाली कार्यशील है। पिछले दो वर्षों में 25 से अधिक स्टेशनों पर आरआरआई व पीआई के स्थान पर आधुनिक ईआई प्रणाली को लगाया है।

यह है इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली–इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिग्नल, पॉइंट और लेवल-क्रॉसिंग गेटों को नियंत्रित करने के लिए कंप्यूटर आधारित सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करता है। रिले इंटरलॉकिंग या पैनल इंटर लॉकिंग सिस्टम में जहां असंय तारों और रिले का उपयोग किया जाता है, ईआई में लॉजिक का प्रबंधन करने के लिए साफ्टवेयर और इलेक्ट्रॉनिक घटकों का उपयोग किया जाता है। यह यार्ड में सिग्नलिंग गियर से प्राप्त इनपुट को पढ़ता है तक सेफ और ऑपरेशनल कंसोल (वीडीयू-विजुअलडिस्प्ले यूनिट) से प्राप्त आदेशों को फेल-सेफ तरीके से संपादित करता है।

इनका कहना

यह प्रणाली परस्पर विरोधी मार्गों, गलत सिग्नल या मानवीय चूक के कारण होने वाली दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करती है। इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग को आज के समय के सबसे प्रासंगिक कवच तकनीक के साथ-साथ सेंट्रलाइज्ड ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम (सीटीसी) के साथभी जोड़ा जा सकता है। यह कुशल कामकाज में भी सक्षम है। इससे कम समय में यात्रियों को सुरक्षित पहुंचाया जा रहा है।

खेमराज मीणा, जनसंपर्क अधिकारी, रतलाम रेल मंडल

श्री गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज मनासा की गणगौर झेल– गुरुवार सायं 5 बजे ब्राह्मण समाज की धर्मशाला से होकर मुख्य बाजार होकर बड़ा मंदिर तक ओर वापस जूनासाथ होकर मंशा पूर्ण महादेव ब्राह्मण समाज की धर्मशालाला पर सम्पन्न हुई।

डॉ संगतानी को झूठे मामले में फंसाने की साजिश में शामिल अधिकारी कर्मचारियों को निलंबित किया जाए-बंसल

मंदसौर, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पार्षद और समाजसेवी सुनील बंसल ने आज वक्तव्य में बताया कि मंदसौर में डॉ. डीडी संगतानी के साथ जो घटनाक्रम हुआ उसमें निश्चित रूप से समाजजन और मंदसौर की एकता का परिचय दिखाई दिया है। लेकिन जिस प्रकार उन्हें ड्रग के मामले में प्रतापगढ से एनसीबी की टीम ने आकर प्रताड़ित किया यह गंभीर चिंता का विषय है।

श्री बंसल ने कहा कि इस घटनाक्रम में सर्वप्रथम होना यह चाहिए कि जिन अधिकारियों ने डॉ. संगतानी के साथ इस घटना को अंजाम दिया उन पर कार्यवाही होनी चाहिए थी लेकिन उन पर शासन और प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की गई। उक्त घटना में जितने लिप्त कर्मचारी है उन सभी को सस्पेंड करना चाहिए व उन पर न्यायिक जांच होनी चाहिए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति ना हो। क्योंकि प्रभावशाली व्यक्ति होने की वजह से सभी लोग इकट्ठा होकर एकजुट होकर उनकी न्याय की लडाई में साथ देते हैं। परंतु कई बार देखने में आया है कि अफीम व चोरी के मामले में निर्दोष व्यक्तियों को भी संबंधित अधिकारी फंसाकर या उनका नाम लेकर उनसे अवैध राशि की वसूली कर अपना कर्तव्य पथभ्रष्ट कर रहे हैं।

हम देखते हैं कि कई कर्मचारी जिनके तनख्वाह 40 हजार है वे 2 से 4 लाख का मोबाइल मेंटेन करते हैं और एक फिल्म की तर्ज पर पुलिस वाले चार-चार प्रायवेट लड़के रखकर उनसे मुखबिरी कराकर लोगों से वसूली का अवैध काम कर रहे हैं। श्री बंसल ने कहा कि निश्चित रूप से उक्त घटना जो घटित हुई है इसके तार जोड़ते हुए ऐसे समस्त अधिकारियों कर्मचारियों के खिलाफ शासन प्रशासन को कार्रवाई करनी चाहिए। मैं धन्यवाद देना चाहूंगा समस्त समाजजनों, जनप्रतिनिधियों, मिडीया साथीयों और मित्रों को जो डॉ. संगतानी की लडाई में साथ आए। इसी प्रकार अगर मंदसौर में कोई ऐसी घटना होती है तो हमें एकजुटता का परिचय देंगे तो निश्चित रूप से हमारा मंदसौर स्वस्थ मंदसौर का नारा सार्थक कर पाएंगे।

दुधाखेड़ी माता मंदिर में उमड़ रहा श्रृद्धालुओं का सैलाब

बीमारी से छुटकारे की मन्नत मांगने आते हैं लोग, लकवा के रोगियों की लगती है भीड़

गरोठ/भानपुरा, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। आरोग्यधम दुधाखेड़ी माता मंदिर जन-जन की आस्था का प्रमुख केंद्र है। केसर मैया के नाम से विख्यात यह मंदिर जिले का सबसे समृद्ध मंदिर माना जाता है। यहां विशेष रूप से लकवा से पीड़ित मरीज अपना इलाज कराने आते हैं। मान्यता है कि रोगी जब मां के सामने अपनी बीमारी ठीक करने की मन्नत मांगते हैं, तो उन्हें आराम मिल जाता है। मंदिर में इस समय नवरात्रि का मेला चल रहा है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में माता के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। कई लोग अपनी पूरी हुई मन्नतों का चढ़ावा चढ़ा रहे हैं, तो कुछ नई मन्नतें मांग रहे हैं।

मेले की व्यवस्था के लिए प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं। 60 से अधिक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिसमें पटवारी, चौकीदार और पुलिस शामिल हैं। आपात स्थिति से निपटने के लिए दो फायर ब्रिगेड तैनात की गई हैं। गर्मी को देखते हुए हर 100 मीटर पर पेयजल की व्यवस्था की गई है। मंदिर का निर्माण कार्य अभी जारी है। वर्तमान में 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, जबकि 30 प्रतिशत अभी बाकी है। वर्ष 2019 से यहां दानदाताओं के सहयोग से भंडारा का आयोजन भी किया जा रहा है। मंदिर के पुजारी घनश्याम नाथ योगी और केसर नाथ योगी के अनुसार मंदिर का एक गौरवशाली इतिहास है।

सीईओ जिला पंचायत जैन ने ग्राम पंचायत कानाहेड़ा के सचिव मंसूरी को किया तत्काल प्रभाव से निलंबित

मंदसौर, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन द्वारा ग्राम पंचायत कनाहेड़ा के सचिव श्री फरीद मंसुरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। श्री फरीद मंसूरी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के गोदी के लिए राशि मांगी जा रही थी।

ग्राम पंचायत कानाहेडा के श्री रमेश पिता उदा सुर्यवंशी निवासी हरनावदा ग्राम पंचायत कानाहेडा के माध्यम से शिकायत प्राप्त हुई है कि सचिव ग्राम पंचायत कानाहेडा के द्वारा हितग्राही से प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास की तीसरी किश्त के जियोटेग करने के लिये रूपये 10 हजार की मांग की जा रही है।शिकायत के संबंध में सेक्टर प्रभारी श्री पन्नालाल मईडा पीसीओ द्वारा मौके पर जाँच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसके आधार पर हितग्राही रमेश पिता उदा द्वारा स्वयं के आवास का कार्य प्रारंभ नहीं किया गया तथा इनकी माताजी संपतबाई पति उदा के प्रधानमंत्री आवास पर रमेश पिता उदा के दूसरी किश्त का जियोटेग किया जाकर किश्त प्रदान की गई है। जबकि संपतबाई पति उदा द्वारा आवास बनाया जा रहा है जिस पर 03 किश्त प्रदान की जा चुकी है। रमेश पिता उदा द्वारा अपने कथन में बताया गया कि सचिव श्री फरीद मंसुरी द्वारा मुझसे आवास किश्त के जियोटेग के लिये पैसे की मांग की जा रही है।मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सीतामऊके द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया जिसका उत्तर सचिव ग्राम पंचायत द्वारा संतोषप्रद जवाब नहीं दिया गया। गलत जियो टेग के लिये सचिव द्वारा हितग्राही को दोषी बताया गया जबकि जियोटेग करना ग्राम पंचायत की जिम्मेदारी होकर दायित्व है।उक्त लापरवाही होने पर सचिव ग्राम पंचायत कानाहेडा को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया। सचिव द्वारा प्रस्तुत उत्तर समाधान कारक एवं असंतोषजनक होने एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सीतामउ के प्रतिवेदन के आधार पर शासन द्वारा चलायी जा रही प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास में हितग्राही का गलत जियोटेग कर अवैध राशि मांग करने तथा अपने सचिवीय पदीय कर्तव्यों का पालन नहीं किये जाने तथा कार्य के प्रति घोर लापरवाही तथा उदासीनता बरतने पर श्री फरीद मंसुरी सचिव ग्राम पंचायत कानाहेडा जनपद पंचायत सीतामउ को म.प्र. पंचायत सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम 1999 भाग-2 (4) के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाकर निलंबन की अवधि में श्री मंसूरी का मुख्यालय जनपद पंचायत सीतामऊकिया जाता है।

सीईओ जैन ने ग्राम पंचायत कनाहेड़ा के रोजगार सहायक श्री ओझा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया–सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन द्वारा ग्राम पंचायत कनाहेडा के ग्राम रोजगार सहायक श्री घनश्याम ओझा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।ग्राम पंचायत हरनावदा के श्री रमेश पिता उदा द्वारा प्रस्तुत शिकायत के आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना की तीसरी किश्त के जियोटेग करने के लिये इनके द्वारा 10 हजार की मांग की गई है। प्राप्त शिकायत की जाँच जनपद पंचायत सीतामउ के सेक्टर प्रभारी पंचायत समन्वयक अधिकारी द्वारा गई। इस संबंध में इनके द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पचायत सीतामउ को कोई संतोषप्रद उत्तर भी प्रस्तुत नहीं किया गया। आवेदनकर्ता की शिकायत से एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सीतामउ के प्रतिवेदन से स्पष्टप्रतीत हो रहा है, कि वास्तव में इनके द्वारा पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाह होकर उदासीन है। उक्त संबंध कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। सूचना पत्र का उत्तर 7 अप्रेल तक प्रस्तुत करेंगे। प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

आगे चल रहे ट्राले से सीमेंट की बोरियां गिरने से हुआ हादसा...

बेकाबू होकर मकान में घुसी यात्री बस, चार घायल

जावरा, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। फोरलने मार्ग पर स्थित चर्चित गांव परवलिया में गुरुवार सुबह जोधपुर से हैदराबाद जा रही यात्री बस बेकाबू होकर बाछड़ा बस्ती में जा घुसी। माता के ओटले को टक्कर मारते हुए बस एक घर से जा टकराई। हादसे में ड्रायवर समेत 4 लोग घायल हो गए, जिन्हें जावरा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना रिंगनोद थाने के ढोढर पुलिस चौकी अंतर्गत रतलाम-लेबड़ फोरलेन पर स्थित परवलिया में सुबह 05 बजे हुई।

मिली जानकारी के अनुसार बस मंदसौर की ओर से जावरा होकर इंदौर जा रही थी। बस के आगे सीमेंट का ट्राला चल रहा था। इस दौरान अचानक से ट्राले से सीमेंट की बोरिया सड़क पर गिर गई। बस की स्पीड तेज थी, बस के पहिए सीमेंट के कट्टे(बोरी) पर चढ़गए, जिससे बस का बैलेंस बिगड़ गया। बस सड़क किनारे बने माताजी के ओटले से टकराते हुए रितेश चौहान के मकान के बाहर बने वॉशरूम की दीवार से जा टकराई। हादसे के समय बस में सवार सभी यात्री सो रहे थे। अचानक से हुए घटनाक्रम के बाद यात्री घबरा गए, चीख पुकार मच गई। घटना के समय रितेश की मां सायरा वॉशरूम में थी। जो टक्कर से घायल हो गई। हादसे की सूचना पर ढोढर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को जावरा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

पिकअप से लाखों रूपए की शराब जप्त, दो गिरफ्तार

मंदसौर, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। यशोधर्मन नगर थाना पुलिस ने पिकअप से लाखो रुपए कीमती देशी शराब जप्त की है। मामले में पिकअप चालक व उसके साथी को गिरफ्तार किया गया है। वायडी नगर पुलिस ने बताया कि मुखबीर सूचना मिलने पर महू-नीमच राजमार्ग स्थित गुराड़िया फंटा पर दबिश दी गई। इस दौरान पिकअप एमपी 44 जीए 1853 को रोककर तलाशी ली गई। जिसमें देशी शराब की 155 पेटी मिली। पुलिस ने मामले में मनीष पिता चेनदास निवासी ढोढर जिला रतलाम और पिंकेश पिता राधेश्याम निवासी परवलिया जिला रतलाम को मौके से गिरफ्तार किया है। इस मामले में शक्ति बन्नाा नामक व्यक्ति के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। जिसकी तलाश की जा रही है।

सड़क हादसे में घायल... पेज 1 से जारी

में परिजनों की मौजूदगी में किया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। रामपुरा थाना प्रभारी राधेश्याम दांगी के अनुसार अभी तक इस मामले में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं हुई है। हादसे के बाद परिजन सीधे अस्पताल चले गए थे। शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नदी, तालाब व बावड़ियों की जा रही साफ-सफाई

मंदसौर, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग एवं सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन के मार्गदर्शन में जिले में जल संरचनाओं के निर्माण एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला प्रशासन, जन अभियान एवं ग्रामीणों के जनसहयोग से जिले की ग्राम पंचायतों में मिट्टी निकाल कर नदी, तालाब व बावडीयों के विस्तारीकरण का कार्य किया जा रहा है व नगर परिषद के सहयोग से प्याउ लगाई गई।

गेहूं उपार्जन के लिये किसान अब 9 तक करा सकते हैं पंजीयन

मंदसौर, 03 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि किसानों के हित में रबी विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये पंजीयन की अवधि 9 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में पंजीयन की अवधि 31 मार्च 2025 तक निर्धारित की गई थी।मंत्री श्री राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि जिन किसानों ने अभी तक पंजीयन नहीं करवाया है, वे 9 अप्रैल तक गेहूँ उपार्जन के लिये पंजीयन जरूर करायें। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। उल्लेखनीय है कि गेहूँ उपार्जन के लिये 31 मार्च तक 15 लाख 9 हजार 324 किसान पंजीयन करा चुके हैं। गेहूँ का उपार्जन भी जारी है।

न्यायालय तहसीलदार, तहसील सीतामऊ

जिला-मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक-344/रीडर/2025 सीतामऊ, दिनांक-01.04.2025

***** विज्ञप्ति *****

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी महोदय उपखंड सीतामऊ का पत्र क्रमांक 718/सू.अ./2024 दिनांक 16.07.2024 के द्वारा माननीय न्यायालय सुरेशसिंह जमरा षष्ठम जिला न्यायाधीश मंदसौर के बजवारी प्रकरण क्रमांक 25/022 अनुसूईया विरुद्ध राहुल निवासी सुरखेड़ा की सम्पत्ति कृषि भूमि ग्राम सुरखेड़ा स्थित भूमि कुर्क की गई है। जिसकी नीलामी की कार्यवाही किये जाने हेतु इस न्यायालय को आदेश प्राप्त हुआ है। कुर्क की गई भूमि जो नीलाम की जानी है जिसका विवरण निम्नानुसार है-

क्रं.	सर्वे नं.	कुल रकबा	मद	आवेदित रकबा जिसकी मांग की गई	ग्राम का नाम जहां भूमि स्थित है
1	12/2 591/2	0.38 0.37	खाते की भूमि	0.38 0.37	सुरखेड़ा

उक्त खातेदार ईश्वरलाल पिता राधाकिशन जाति पाटीदार निवासी ग्राम सुरखेड़ा के खाते की भूमि नीलामी के संबंध में माननीय न्यायालय सुरेशसिंह जमरा षष्ठम जिला न्यायाधीश मंदसौर का पत्र क्रमांक 703/2024 दिनांक 09.07.2024 अनुसार भूमि की नीलामी की जाकर राशि 2758870/- वसूल की जाना है।

अतः इच्छुक व्यक्ति न्ययायालय में दिनांक 07.04.2025 को समक्ष में बोली लगा सकेंगे। उक्त भूमि नीलामी के संबंध में विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस तक आम आपत्ति ग्राह्य की जा सकेंगी। बाद अवधि प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

1. बोली शासन की गाईड लाईन से प्रारम्भ की जावेगी।
2. सर्वाधिक बोली लगाने वाले व्यक्ति के पक्ष में नियमानुसार भूमि अंतरण की आगामी कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 01.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मोहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
तहसील सीतामऊ, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

कार्यालय ग्राम पंचायत जमालपुरा जनपद पंचायत मंदसौर

दिनांक-03.04.2025

*** विज्ञप्ति ***

ग्राम पंचायत जमालपुरा द्वारा यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि ग्राम जमालपुरा में पुराने जीर्ण-क्षीर्ण एवं अनुपयोगी प्राथमिक शाला भवन को ध्वस्त कर उपयोगी सामग्री हेतु नीलामी की जाना है। नीलाम बोली की राशि 11000/- (ग्यारह हजार रुपए) तय की गई है।

इच्छुक व्यक्ति नीलामी बोली हेतु दिनांक 21.04.2025 सोमवार को प्रातः 11 बजे एकीकृत शासकीय माध्यमिक विद्यालय जमालपुरा में उपस्थित हो।

कैलाश धनगर
सचिव, ग्राम पंचायत जमालपुरा
मो.-8827438069

सरपंच
ग्राम पंचायत जमालपुरा

In The Court Of VI Additional District Judge, District Court, Mandsaur

Presiding Officer: सिद्धार्थ तिवारी

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

(MCA/0000031/2025)

पुष्पा पाण्डेय .... वादी

विरूद्ध सर्व साधारण .... प्रतिवादी

5743-1
Process Id- /2025
पेशी दिनांक :- 05/05/2025

प्रेषिती-

(1)सर्वसाधारण पता- सर्वसाधारण

यह कि प्रार्थी पुष्पा पाण्डे ने आपके विरूद्ध विविध व्यवहार वाद अपील के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात /हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 31 March 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

सिद्धार्थ तिवारी
षष्ठम जिला न्यायाधीश, मंदसौर (म.प्र.)

टिप्पणी:-
कृपया ध्यान दें:-यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in